

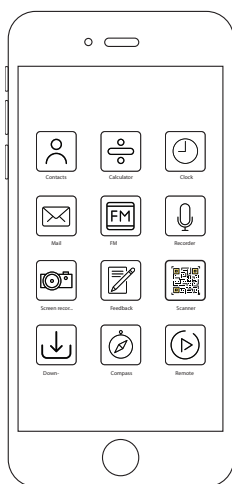
भाषा संगम *Bhasha Sangam* Manipuri Volume 12



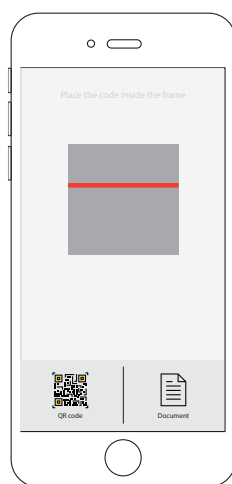
STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.



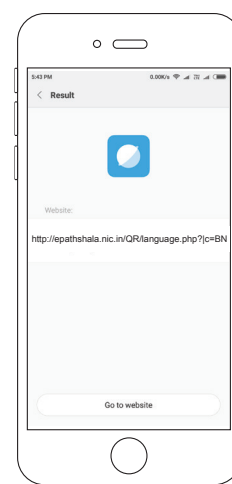
Install QR Code Scanner app from Play Store and open



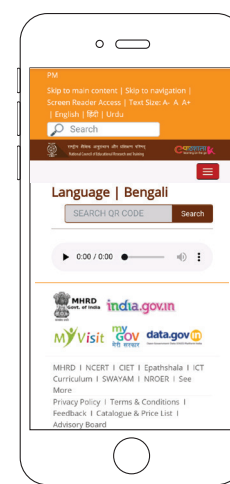
Get ready with QR code scanning window



Place scanner above the QR code




Select and click on the link



Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc. 
2. Go to the ePathshala website (<http://epathshala.gov.in>) and click on **Ek Bharat Shreshtha Bharat** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम *Bhasha Sangam*



Manipuri

Volume 12

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
धर्मेश्वर प्रधान
Dharmendra Pradhan



मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार

Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र
(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister.msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam*.

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।



Sridhar Srivastava

Director

National Council of Educational Research and Training

New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत भाषा संगम



आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की खूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत ‘भाषा संगम’ कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। ‘भाषा संगम’ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरुआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को जरूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद जरूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में जरूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के जरिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी है कि स्कूल में सभी अपनी जिम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की जिम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी— कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाजों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मजा लें। इस मजे में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की जरूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओं में सामग्री मिल सकती है:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
- सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
- नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस खयाल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओं के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

● हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओं के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में है। दूसरा, रोजमर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर जोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat Bhaashaa Sangam



We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bharat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiarise students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster linguistic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of Bhaashaa Sangam

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam*, students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii.** In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourage them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
 - National Council of Educational Research and Training
 - State Council of Educational Research and Training
 - District Institutes for Education and Training
 - Centre for Cultural Resources and Training
 - Children Film Society
 - National Book Trust
 - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

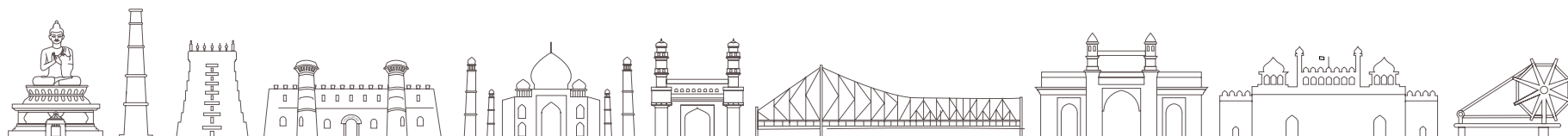
Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

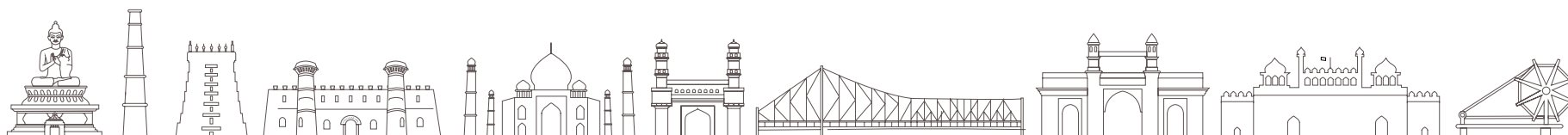
- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

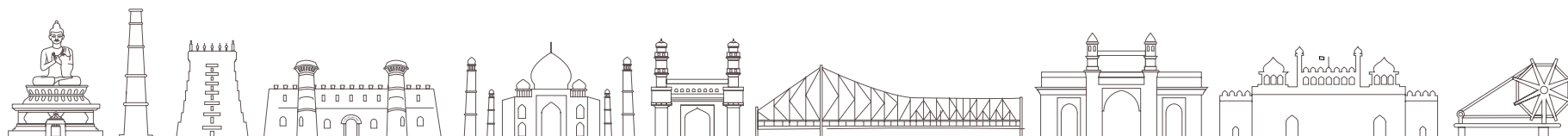
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
अशनबा नुमिं शकताकपा	अहान्बा नुमित शकताकपा	पहला दिन परिचय	Ahaanba numit Shaktakpa	First day Introduction/ Familiarisation
नशक्की मिं करि कोइ?	नहाक्की मिंग करी कौवी?	आपका नाम क्या है?	Nahaakki ming kari kouee?	What is your name?
ऐगी मिं सनाथोइ कोइ।	ऐगी मिंग सनाथोइ कौवी।	मेरा नाम सनाथोइ है।	Eigee ming Sanathoi kouee.	My name is Sanathoi.
नशक करि क्लासता तम्मी?	नहाक करि क्लासता तम्मी?	आप किस कक्षा में पढ़ती/पढ़ते हैं?	Nahaak kari klaasta tammi?	Which class do you study in?
ऐ क्लास ऐत ता तम्मी।	ऐ क्लास ऐत ता तम्मी।	मैं कक्षा आठ में पढ़ती/पढ़ता हूँ।	Ki klass eit taa tammi.	I study in Class VIII.
नशक्की इमा-बबागी मिं करि-करि कोइ?	नहाक्की इमा बबागी मिंग करि-करि कौवी?	आपके माँ-पिताजी का क्या नाम है?	Nahaakki ima babagee ming kari-kari kouee?	What are your parents' name?
ऐगी इमागी मिंगना चाउबी अदुगा बबागी मिंगना तोम्बा कोइ।	ऐगी इमागी मिंगना चाउबी अदुगा बबागी मिंगना तोम्बा कौवी।	मेरी माँ का नाम चाउबी और पिता का नाम तोम्बा है।	Eigi eemagi mingna Chaobi aduga babagi mingna Tomba kouee.	My mother's name is Chaobi and my father's name is Tomba.



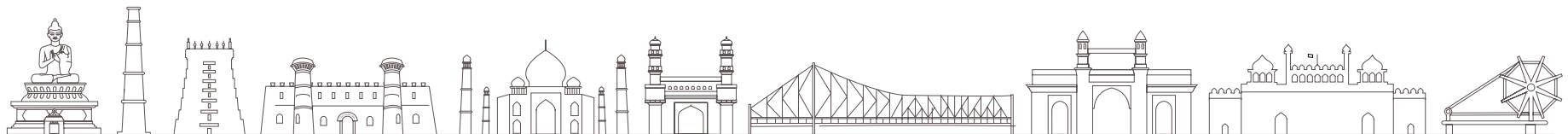
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
नशक्की लैफम कदायदनो?	नहाक्की लैफम कदायदनो?	आप कहाँ रहती हैं /रहते हो?	Nahakki leipham kadaidano?	Where do you live?
ऐ इम्फालदगिनी।	ऐ इम्फालदगिनी।	मैं इम्फाल में रहती/रहता हूँ	Ei Imphal dagini.	live in Imphal.
अनीसुवा अमदि अहमसुवा नूमिं ऐगी स्कूल	अनीसुवा अमदी अहुमसुवा नुमित। ऐगी स्कूल	दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय	anisuba amadi ahumsuba numit Eigee skool	Second & third day My School
नशक्की स्कूलगी ममिं कति कोई?	नहाक्की स्कूलगी ममिं करी कौवी?	आपके विद्यालय का क्या नाम है?	Nahakki skoolgi maming kari kouee?	What is the name of your school?
ऐगी स्कूलगी ममिं पाति इमोम सिंदमशंग (कोई)।	ऐगी स्कूलगी ममिं पारी इमोम सिंदम संग कौवी।	मेरे विद्यालय का नाम पारी इमोम सिंदम संग है।	Eigee skoolgi maming Paari Imom Sindamshang kouee.	The name of my school is Paari Imom Sindamshang kouee.
नशक्की क्लासकी ओजाना करि लाइरिक ताकपी?	नहाक्की क्लासकी ओजाना करी लाइरिक ताकपी?	आपके कक्षा अध्यापक कौन- सा विषय पढ़ाते हैं?	Nahakki classki ojaana kari lairik taakpi?	What subject does your class teacher teach?
ऐथोयगी क्लासकी ओजाना मणिपूरी लाइरिक ताकशे।	ऐगी क्लासकी ओजाना मणिपूरी लाइरिक ताकई।	मेरे कक्षा अध्यापक मणिपूरी भाषा पढ़ाते हैं।	Eigee class ki ojana Manipuri lairik taakee.	Our class teacher teaches Manipuri language.



Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
नहाक करम्बा सबजेकटना हेनना पाम्मी?	नहाक करम्बा सबजेकटना हेनना पाम्मी?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	Nahaak karamba subjectna henna pammi?	Which subject interests you the most?
ऐदि लोन तम्बा यामना पामजै ।	ऐदी लोन तम्बा यामना पामजै।	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	Eidi lon tamba yaamana pamjei.	I like learning languages.
नहाकना लोन तम्बा पामलिबसि करि मरमगीनो?	नहाकना लोन तम्बा पामलीबसी करी मरमगीनो?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Nahaakna lon tamba paamlibasi kari maramgino?	Why do you like learning languages?
मसिदा शैरेङ याउई, बारी याउई, लीला-ड्रामा याउई।	मसिदा सैरंग याउवी, वारी याउवी, लीला-ड्रामा याउवी।	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	Masida seireng yaoee, waari yaouee, leela-drama yaoee.	I like learning languages because they have poetries, stories and drama.
होय-होय लीला-ड्रामादि ऐखाय सान्नबसु याई।	होय-होय, लीला-ड्रामादी ऐखाय सान्नबसु याई।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Hoi-hoi, Leela-drama di eikhoi saannabasu yai.	Yes, we can play dramas.
नहाक करि-करि लोन डांगबा है?	नहाक करि-करि लोन डांगबा है?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	Nahaak kari-kari lon ngaangbadi hei?	Which are the languages you can speak?



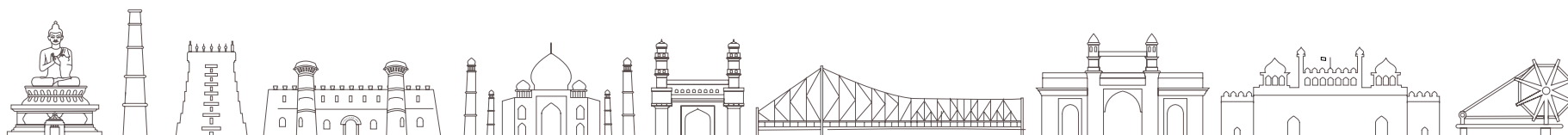
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ঐ হিন্দি, ইংলিশ, বেঙ্গোলী অমদি অসামীজ লোন ঙাংবা ঙম্মী।	ऐ हिंदी, इंग्लिश, बेंगोली अमदी असामीज लोन ङांगबा ङम्मी।	मैं हिंदी, अंग्रेजी, बंगला और असमिया बोल सकता/सकती हूँ।	Ei Hindi, English, Bengoli amadi Asamese lon ngangba ngammi.	I can speak Hindi, English, Bangla and Asammese.
মৰীশুবা নুমিৎ ইমুং-মনুংগী থৌদাং অমদি দাইত্ব	मरीसुबा नुमित इमुंभ मनुंगगी यौदांग अमनि दायित्व	चौथा दिन मेरे माता-पिता	Marisuba Numit Imung manungi thoudang amadi dayitwa	Fourth day My Parents
নখোয়গী যুমদা চাক কনানা থোংই?	नखोयगी युमदा चाक कनाना थोडई?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	Nakhoigee yumda chaak kanana thongee?	Who cooks food in your house?
ঐখোয় যুমদা ইমা-ববা অনিমকনা চাক থোংই।	ऐखोय युमदा ईमा-बबा अनिमकना चाक थोडई।	हमारे घर में माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	Eikhoi yumda ima- baba animakna chaak thong-ee.	Both my father and my mother cook food in our house.
নহাকপু স্কুলদা কনানা থিনবী?	नहाकपू स्कूलदा कनाना थीनबी?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Nahaakpu schoolda kanna thinbi?	Who drops you at school?



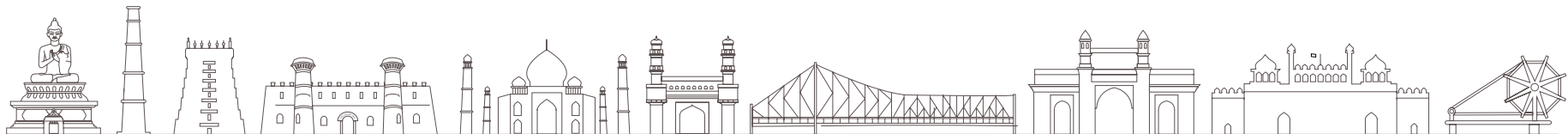
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ইমা নত্রগা ববানা এবু স্কুলদা থিনবী।	इमा नत्रगा बबाना ऐबु स्कूलदा थीनबी।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	Ima natraga babaana eibu skoolda thinbi.	Sometimes my father and sometimes my mother drops me at school.
পেৱেণ্টে-টিচাৰ মিটিংদা কনা লাকই?	पेरेंट टीचर मीटींगदा कना लाक-ई?	अभिभावक-शिक्षक (पैरेंट- टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	Parent teacher meetingda kana laak-ee?	Who comes to attend the parent-teacher meeting?
শ্রী টী এম দা কৰিগুম্বা কান্দা ইমা নত্রগা ববা লাকই।	पी.टी.एम.दा करिगुम्बा कांदा इमा नत्रगा बबा लाकई।	पी.टी.एम में कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	PTMda karigumba kanda ima natraga baba laakee.	Sometimes my father and sometimes my mother comes to the PTM.
মঙাশুবা নুমিৎ চিনজাক	मङा सुबा नुमित चिन्जाक	पाचवाँ दिन खान-पान	Mangaa suba numit Chinjaak	Fifth day Food
নহাক কৰি চাবনা খুইদগী হেন্না পাম্মী?	नहाक करी चाबना खवाईदगी हेन्ना पाम्मी?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Nahaak kari chaabana khwaidagi henna paammee?	What do you like to eat mostly?



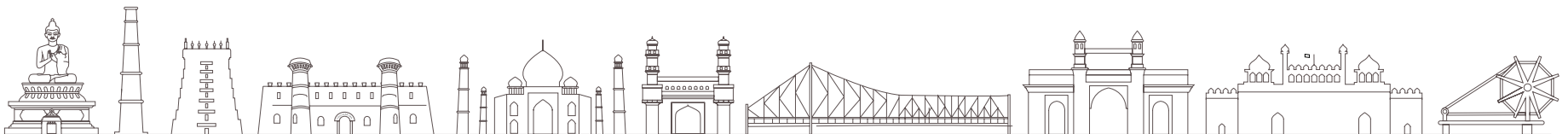
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ঐদি ইরোনবগা কাংশোইগা চাৰা য়াম্মা পামজৈ।	ऐदी इरोनबगा कांगसोईगा चाबा यामना पामजै।	मुझे इरोनबा और काडशोई खाना पसंद है।	Eidi ironbaga kangsoiga chaaba yaamna paamjei.	I like to eat Iromba and kaangsoi.
নখোয়গী মফমদুদা খ্বাইদগী মরাং কায়না ফংবা হৈ অসি করিনো?	नाखोयगी मफमदुदा ख्वाईदगी मरांग कायना फंगबा है-असी करिनो?	आपके इलाक़े में कौन सा फल ज़्यादा मिलता है?	Nakhoigee maphamduda khwaidagu maraang kaina fangba hei asi karino?	Which fruit is plentifully available in your area?
ঐখোয়গী অদুদি কিশোম, কোমলা মরাং কায়না ফংই, অদুবু ঐদি নফোইনা হেন্না পাম্মী।	ऐखोयगी अदुददी किहोम कोमला मरांग कायना फंग- ई, अदुबु ऐदी लफोइना हेन्ना पाम्मी।	हमारे यहाँ अनानास, संतरा ज़्यादा मिलता है। लेकिन मुझे केला पसंद है।	Eikhoigee adudadi kihom, komlaa maraang kaina phangee, adubu eidee laphoina henna pammi.	Pineapple and Oranges are available in my area, but I like Banana the most.
তরুক শুবা নুমিৎ হকশেল	तरुकसुबा नुमित हकसेल	छठा दिन सेहत	Taruksuba Numit Haksel	Sixth day Health
নহাক অযুক পুং কয়াদা হৌগতলী?	नहाक अयुक पुंग कयादा हौगतली?	आप सुबह कब जागते हैं?	Nahaak ayuk pung kayaada hougatlee?	What time do you wake up in the morning?



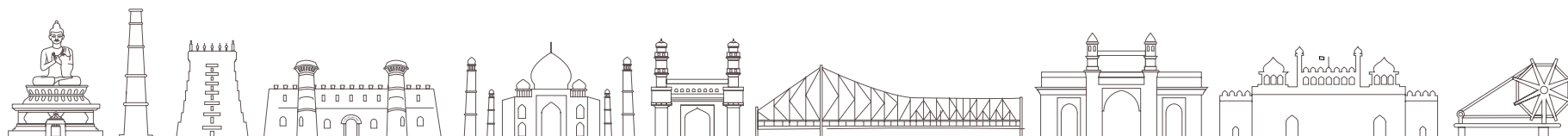
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ঐ অযুক পুঙ তরুতা হৌগতলী।	ऐ अयुक पुंग तरुता हौगतली।	मैं सुबह छः बजे उठता/उठती हूँ।	Ei ayuk pung taruktaa hougatlee.	I wake up at six O'clock in the morning.
নশাক নুংতিগী শাজেল তৌব্রা?	नहाक नुंगतिगी साजेल तौब्रा?	क्या आप प्रतिदिन कसरत करते/करती हैं?	Nahaak nungtigi saajel toubra?	Do you do exercise everyday?
হোয় ঐ যোগা তৌই।	होय, ऐ योगा तौवी।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	Hoi ei yoga touee.	Yes, I practice yoga.
নখোইগী স্কুলদা যোগাগী ওজা লৈব্রা?	नखोयगी स्कूलदा योगागी ओजा लैब्रा?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक हैं?	Nakhoigee schoolda yogagee oja leibra?	Is there a yoga teacher in your school?
হোয় ঐখোয়গী স্কুলদা যোগাগী ওজা লৈ।	होय, ऐखायगी स्कूलदा योगागी ओजा लै।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Hoi, eikhoigee schoolda yogagee oja lei.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
মহাক্কা যোগা আমদি অতৈ শাজেলসু তাকপী।	महाकना योगा आमदी अतै साजेलसु ताकपी।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/सिखाते हैं।	Mahaakna yoga amadi atei shaajelsu taakpi.	She/he teaches us yoga and other excercises.



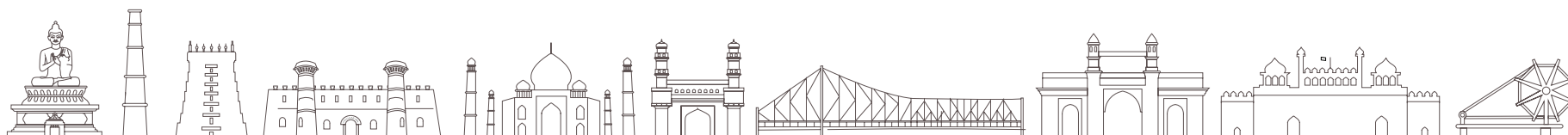
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ভৱেং শুবা নুমিৎ মসান্না	तरेतसुबा नुमित मसान्न	सातवाँ दिन खेल-कूद	Taretsuba numit masaanna	Seventh day Games and Sports
নহাক শান্নবা পাম্ভা?	नहाक सान्नबा पाम्भ्रा?	आपको खेलना पसंद है?	Nahaak saannba pambra?	Do you like to play?
হোয়,ঐ ফুটবোল শান্নবা পাম্মী।	होय,ऐ फुटबोल सान्नबा पाम्मी।	हाँ,मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	Hoi,Ei football saannba pamee.	Yes. I like to play football.
ঐদি ইন্দোর গেম পাম্ভে।নহাক্তী করি পাম্মী?	ऐदी इंदोर गेम पाम्भै, नहाकती करि पाम्मी ?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	Eidi indoor game pamjei. Nahaakti kari paammi?	I like indoor games. What about you?
ঐসু পাম্মী। ঐ টেবল টেনিস শান্নে।	ऐसु पाम्मी। ऐ टेबल टेनीस सान्ने।	हाँ,मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलता/खेलती हूँ।	Eisu paammi. Ei table tennis sannei.	Me too! I play table tennis.
নহাক ব্রিডিও গেম শান্নবা?	नहाक वीडियो गेम सान्नब्रा?	क्या आप वीडियो गेम खेलती हैं/खेलते हो ?	Nahaak video game saannbra?	Do you play video games?



Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
শাল্লদে, ঐ ব্রিডিও গেম পামজদে। ঐদি কবাদিগুম্বা মপান্দা শাল্লবা পাম্মী।	सान्न्दे, ऐ वीडियो गेम सान्न्बा पामजदे। ऐदी कबादीगुम्बा मपान्दा सान्न्बा पाम्मी।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है, जैसे कबड्डी	Saanndey, ei video game saannaba pamjadey. Eidi kabadiguma mapaanda saannba pammee.	No, I don't like video games. I like to play outdoor games, like Kabaddi.
নিপালসুবা, মাপলসুবা, অমদি তরাশুবা নুমিৎ মহৌশা খুৎসেম অমদি লমগী শাওং শাদা	निपालसुबा, मापलसुबा अमादि तरासुबा नुमित महौशा खुत्सेम अमदी लमगी शओंग शादा	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	Napaalsuba, maapalsuba amadi taraasuba numit Mahousha khutsem amadi lamgii shaong shadaa	Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings
নাখোয়গী মফমদুদা করি তুরেল চেল্লী?	नाखोयगी मफमदुदा करि तुरेल चेल्ली?	आपके क्षेत्र में कौन-सी नदी बहती है?	Nakhoigee maphamduda kari turel chellee?	Which river flows in your area?
ঐখোয়গী লমদা ইম্ফাল তুরেল চেল্লী।	ऐखोयगी लमदा इम्फाल तुरेल चेल्ली।	मेरे क्षेत्र में इम्फाल नदी बहती है।	Eikhoigee lamda Imphal turel chellee.	River Imphal flows through my village.



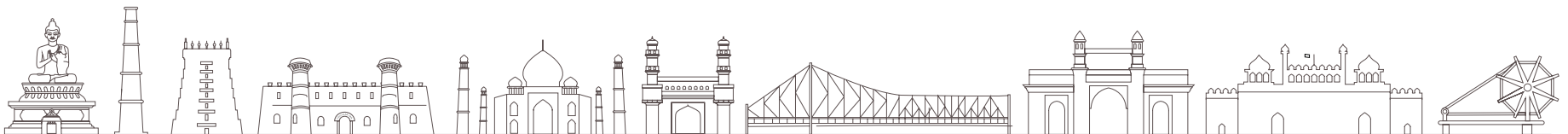
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
মথোয়গী তোরবাণদা লৈকোল ময়াম অমা লৈ।	मखोयगी तोरबांदा लैकोल मयाम अमा लै।	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Makhoiga torbaanda leikol mayaam ama lei.	There are many gardens on the banks of it.
ঐথোয় লোয়নমক মফমদুদা কোয়বা চংলি।	ऐखोय लोयनमक मफमदुदा कोयबा चतली।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	Eikhoi loinamak mafamduda koiba chatlee.	We go there for a stroll.
নহাক কদাইদা কোয়বা চংলি?	नहाक कदायदा कोयबा चतली?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Nahaak kadaida koiba chatlee?	Where do you go for a stroll?
ঐথোয় লৈকোলদা কোয়বা চংলি।	ऐखोय लैकोलदा कोयबा चतली।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	Eikhoi leikolda koiba chatlee.	We go to the park for a stroll.
ঐথোয়গী সহরগী মপান্দা চীঙ অমা লৈ।	ऐखोयगी सहरगी मपान्दा चीङ अमा लै।	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	Eikhoigee sahargee mpaanda ching ama lei.	There is a mountain outside our city.
মফমদু কোয়বা চংপা য়ামনা নুংঙাইবা মফম অমনি।	मफमदु कोयबा चतपा यामना नुडाईबा मफम अमनी।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Maphamdu koiba chatpa yaamna nungaiba mapham amanee.	This is a nice place to move around.



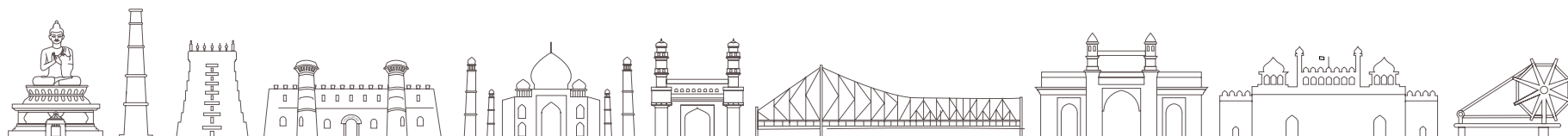
Manipuri	Manipuri Devanagari	Hindi	Manipuri Roman	English
नखोयगी मफमदूदा लबुक लैब्रा?	नखोयगी मफमदूदा लबुक लैब्रा?	आपके क्षेत्र में खेत हैं?	Nakhoigee maphamduda labuk leibra?	Are there fields in your area?
होय ऐखोयगी मफमदूदा लबुक यामना लै।	होय, ऐखोयगी मफमदूदा लबुक यामना लै।	हाँ हमारे क्षेत्र में बहुत खेत हैं।	Hoi, eikhoigee maphamduda labuk yaamna lei.	Yes, there are many fields in our area.
मफमदूदा जङ्गलसू लै।	मफमदूदा जङ्गलसू लै।	वहाँ जंगल भी है।	Maphamduda jungle-su lei.	There is also a jungle here.
जङ्गल अदूदा इशिंग-चाइबी अमा लै।	जङ्गल अदूदा इशिंग-चाइबी अमा लै।	उस जंगल में एक झरना है।	Jangle aduda ising chaibi ama lei.	There is a stream in the jungle.
नहाक इशिंग-चाइबी उजरब्रा?	नहाक इशिंग-चाइबी उजरब्रा।	आपने झरना देखा है?	Nahaak ising chaibee ujarabra?	Have you seen a stream?
उद्री, ऐ येगबा पाम्मी।	उद्री, ऐ येगबा पाम्मी।	नहीं, मैं देखना चाहूँगा/चाहूँगी।	Udri, ei yengba pammi.	No, I would like to see one.
ऐखोयगी खुंगगंदा लाकओ, ऐ नङ्गोन्दा इशिंग-चाइबी येगहनगे।	ऐखोयगी खुंगगंदा लाकओ, ऐ नङ्गोन्दा इशिंग-चाइबी येगहनगे।	हमारे गाँव आना, मैं तुम्हें झरना दिखाऊँगा/दिखाऊँगी।	Eikhoigee khunggangda laako, ei nangonda ising chaibi yenghangey.	Come to our village, I will show you the stream.



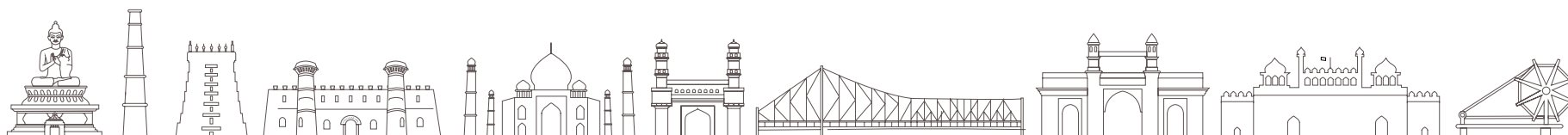
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
তৰামাথোই শুবা নুমিৎ অইং-অশা/ঋতু	तरामाथोइ शुबा नुमित अयिंग-अशा/ रितु	ग्यारहवाँ दिन मौसम	Taramathoi suba numit Aying ashaa/ ritu	Eleventh day Weather
অস! ঙসিসে যামনা সাই। নোঙ তারদি ফগনী।	अस! डसीसे यामना साई। नोंग तारदी फगनी।	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है। अब बारिश होनी चाहिए।	As! ngasise yaamana sai. Nong taardi fagane.	Oh! Its too hot today. I wish it rains now.
নখোইগী মফমদুদদি অইং অশাক কমদৌই?	नखोयगी मफमदुददी अयिंग अशा कमदौवी?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Nakhoigee maphamdudadee aying ashaa kamdouee?	How is the weather (like) in your area?
এইখোইগী অদুৱাইদদী ময়ায় ওইরপ তোই নত্রগ খিতঙ শাই।	एइखोईगी अदुवाईददी मयाय ओइरप तौवी नत्रगना खितंग साइ।	यहाँ का मौसम सामान्य या गरम रहता है।	Eikhoigi aduwaidadi mayai oriap touee natragana khitang saai.	The weather there is moderate or hot generally?
নহাক লৈকংলা উরব্রা?	नहाक लैकंगला उरब्रा?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	Nahak leikangla urabra?	Have you seen a desert?



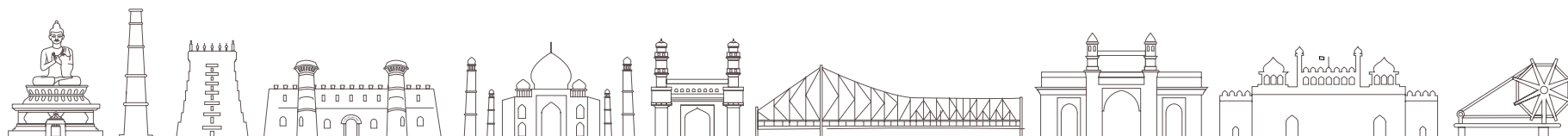
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ঐ লৈকংলা উদ্রি।	ऐ लैकंगला उद्री।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	Ei leikangla udri.	No, I have not seen a desert.
মফম অদুদদি য়ামনা সাই।	मफम अदुददी यामना साई।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Mapham adudadi yaam sai.	It's very hot there.
হোয়, অদো নুংদাংদদি লৈঙোইদি ইংথরকই।	होय, अदो नुगदांगददी लैडोइ इंगथरक-ई।	हाँ, लेकिन रात में रेतठंडी हो जाती है।	Hoi, ado nungdangdadee leingoi ingtharak-ee.	Yes, but the sand becomes cold at night.
ঐসু লৈকংলা য়েংবা পাম্মী।	ऐसु लैकंगला येंगबा पाम्मी	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहता/चाहती हूँ।	Eisu leikangla yengba pammi.	I would like to see the desert.
মমাঙগী কালেন ছুটিদা ঐশাক ইমুং মনুংগা পুন্না চীঙদা কোয়বা চংলুই।	ममांगगी कालेन छुट्टीदा ऐहाक ऐगी इमुड मनुंगगा पुन्ना चीडदा कोयबा चतलुइ।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने गया था/गई थी।	Mamangee kaalen chuttida eihaak eige imung manungaa punna chingda koiba chatlui.	Last summer holidays I had visited mountains with my family.
মফমদুদা নিংথম থাদা উন য়ামনা তাই।	मफमदुदा नींगथम थादा ऊन यामना ताइ।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ गिरती है।	Maphamduda ningtham thaada un yaama tai.	It snows a lot during winter.



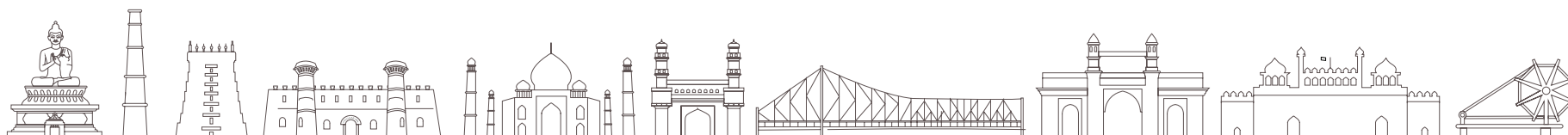
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
তৰানিথোই, তৰাহুমদোই, তৰামৰি অমসুং তৰামঙাশুবা নুমিৎ কুম্হৈ-হৰাও	तरानिथोइ, तराहुमदोय, तरामरी अमदि तरामडासुबा नुमित कुम्है-हराउ	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन त्योहार	Taranithoi, tarahumdoi, taramari amadi taramangaa suba numit kumhei-harao	Twelvth, Thirteenth, Fourteenth and Fifteenth day Festival
নহাক্কী পামজবা কুম্হৈশি করম্বনো?	नहाककी पामजबा कुम्हैशि करम्बनो?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	Nahakki paamjaba kumheisi karambano?	What is your favorite festival?
ঐনা পামজবা কুম্হৈদি দিবালীনী।	ऐना पामजबा कुम्हैदी दिवालीनी।	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	Eina pamjaba kumheidi diwalini.	My favorite festival is Diwali.
ঐসু দিবালী য়াম্মা পামজৈ।	ऐसु दिवाली यामना पामजै।	दिवाली मुझे भी बहुत पसंद है।	Eisu diwali yaamana paamjei.	I also like Diwali very much.
অদুবু, ঐদি যাওশঙনা হেন্না পামজৈ।	अदबु ऐदी याउशङना हेन्ना पामजै।	लेकिन मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	Adubu, eidi yaoshangna henna pamjei.	But I like Holithe most .
য়াওশঙদা ঐথোয় অবের য়াম্মা তৈনে।	याउशंगदा इखोइ अबेर यामना तैने।	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	Yaoshangda eikhoi aber yaamma teinei.	We play a lot with in during Holi.



Manipuri	Manipuri Devanagari	Hindi	Manipuri Roman	English
कूम्हे-हराउदा ऐखोय अथुम-अहाउ मयाम अमा चाय।	कुम्है हराउदा ऐखोय अथुम-अहाउ मयाम अमा चाय।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	Kumhei haraoda eikhoi athum-ahao mayaam ama chaai.	We eat a lot of sweets during festivals.
अदुम्ना, इदकी थोईदगी थोईदोकपा अथुमबदी सेवैनी।	अदुमना, इदकी ख्वाईदगी थोईदोकपा अथुमबदी सेवैनी।	जैसे, लेकिन सेवईयाँ ईद का खास पकवान है।	Adumna, idki khwaidagee thoidokpa athumbadee seweinee.	Like Seviyan is a special dish of Eid.
कूम्हे-हराउ मतमदा मेलादा कोयबा च९पा याम्मा नू९ग९।	कुम्है-हराउ मतमदा मेलादा कोईबा चतपा याम नुडाई।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	Kumhei harao matamda melada koiba chatpa yaamma nungai.	I like to roam around in Fairs during festivals.
होय, ऐसु कोयबा पाम्मी।	होय, ऐसु कोयबा पाम्मी।	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	Hoi, eisu koiba pammi.	Yes, I also like to move around.
नखोयगी स्कूलदा नीड तम नुमित करमना पांगथोकई?	नखोयगी स्कूलदा नीड तम नुमित करमना पांगथोकई?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	Nakhoigee schoolda ningtam numit karamna paangthokee?	How is Independence Day celebrated in your school?



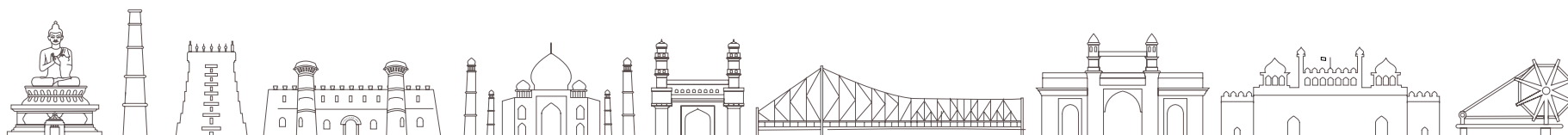
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ঐখোয় ফিরাল চিংখলী,রাষ্ট্রগান শকই,লদুসু চাই।	ऐखाय फिराल चींगखतली, राष्ट्रगान शकई, लदुसु चाया।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	Eikhoi firaal chingkhatli, rashtragaan sak-ee, ladusu chai.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
অসুম তোনা রিপব্লিক ডে সু পাংথোকই ।	असुमना रिपब्लिक दे सु पांगथोकई ।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	Asum touna Repbulic day su paangthokee.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
ওক্টোবর তাং অনিগী গান্ধী জয়ন্তিদা লু-নানবা নুমিৎ পালন তোই।	ओक्तोबर ताङ अनीगी गाँधी जयंतिदा लू-नानबा नुमिन पालन तौवी।	दो अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	October taang anigee Gandhi Jaynatida loo- naanba numit paalan touee.	We observe Swachhta Diwas on the birth anniversary of Mahatma Gnadhi on 2 nd October.
ফেব্রুআরী তাং কুনমাথাইদা স্কুলদা ইমারোন নুমিৎসু পালন তোই।	फेब्रुआरी ताङ कुनमाथाइदा स्कूलदा इमारोन नुमितसु पालन तौवी।	स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो इक्कीस फरवरी को होता है।	February taang kunmathoida schoola imaron numitsu paalan touee.	Mother Tongue Day is also celebrated in school on 21 st February.



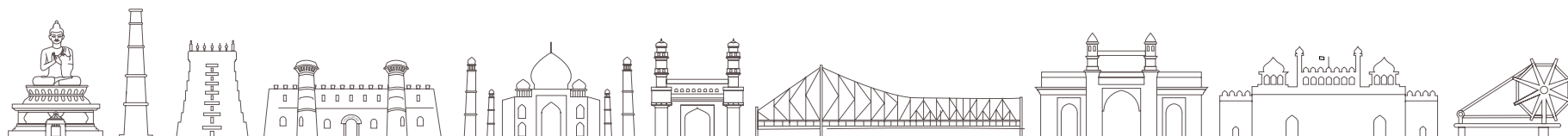
Manipuri	Manipuri Devanagari	Hindi	Manipuri Roman	English
তৰাতৰুক অমসুং তৰাতৰেংসুবা নুমিৎ মৰি-মতা	तरातरुक अमसुङ तरातरेत सुबा नुमित मरी-मता	सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते	tarataruk amasung tarataret suba numit maree-mataa	Sixteenth & Seventeenth day Relations
নথোইগী ইমুংদা কনা-কনা লৈ?	नखोयगी इमुङदा कना-कना लै?	आपके घर में कौन-कौन हैं।	Nakhoigee imungda kana-kana lei?	Who all are there at your home?
ঐখোয়গী ইমুংদা ইমা- ববা,পুপু-অবোক,ককা- ইন্দোমচা অমদি ঐগী ইচল/ ইনাও লৈ।	ऐखाइगी इमुङदा इमा-बबा, पूपू-अबोक, कका इन्दोमचा अमदी ऐगी इचल/इनाउ लै।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा- दादीजी, चाचा-चाची और मेरी बहन है।	Eikhoigee imungda ima-baba pupu-abok, kaka indomcha amadi eigee ichal/inao lei.	My father, mother, grand father, grand mother, uncle, aunt and my sister are there in my home.
অদুদি নহাক নথোয়গী মামগী সুমদদি চংপ্ৰা?	अदुदी नहाक नखोयगी मामगी युमददी चतप्रा?	अच्छा तो क्या तुम कभी अपने मामा के घर जाते हो?	Adudi nahaak nakoigee maamagee yumdadee chatpra?	Good ! Do you like to visit your maternal uncle's house?
হোয়,ঐ ছুটি থাৰা মতমদা মামগী সুমদা চংলী। মফমদুদা লৈবা য়ামনা নুঙাই।	होय,ऐ सुत्ती थाबा मतमदा मामगी मयुमदा चतली। मफमदुदा लैबा यामना नुङाई।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाता/जाती हूँ वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Hoi, ei suttu thaaba matamda maamagee yumda chatlee. Maphamduda leiba yaamna nungai.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.



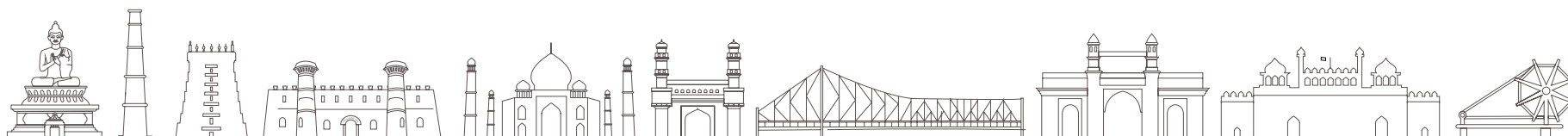
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
मफमदुदा ऐगी माम-इने, इने,इन्दोमचा अमदी ईपू-अबोक लै।	मफमदुदा ऐगी माम-इने, इन्दोमचा अमदी ईपू-अबोक लै।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Maphamduda eigee maama-iney, indomcha amadee ipu-abok lei.	My maternal uncle- aunt, mother's sister, and grandparents live there.
ऐथोयगी अबोक्ना ऐथोयदा बारी मयाम अमा लीबी।	ऐखोयगी अबोकना ऐखोयदा वारी मयाम अमा लीबी।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	Eikhoigee abokna eikhoida waari mayaam ama libee.	Our grandmother tells us a lot of stories.
नहाकसू नथोयगी मामगी युमदा चतप्रा?	नहाकसू नखोयगी मामगी युमदा चतप्रा?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	Nahaaksu nakhoigee maamagee yumda chatpra?	Do you also visit your maternal uncle's house?
होय, ऐदि ऐथोय माम अमसुं इने अनिमक्की युमदा चतली।	होय, ऐदी ऐखोय माम अमसुंग इने अनीमक्की युमदा चतली।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाती/जाता हूँ।	Hoi, eidi eikhoi maama amasung iney animakki yumda chatlee.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house.
ऐथोय इनेगी युमदा इहे अमगा शोदोः अमगा लै।	ऐखोय इनेगी युमदा हूई अमगा हौदोः अमगा लै।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	Eikhoi ineygi yumda hui amaga houdong amaga lei.	My aunt has a dog and a cat in her house.



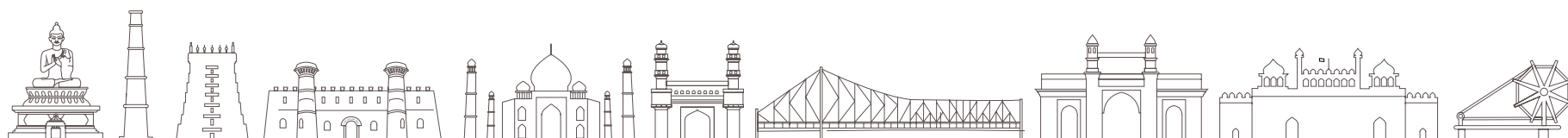
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
ঐথোয় যুমদদি শম্বী অমদি শনাওশিং লৈ।	ऐखोय युमददी शम्बी अमदी सनाउशिंग लै।	मेरे घर में तो गाय एक बछड़े हैं।	Ekhoi yumdadee sanbee amadee sanaashing lei.	I have a cow and a calves in my house.
ঐথোয়গী শুমদদি ঐরোই অমসুং শামেং ময়ামসু লৈ।	ऐखोयगी खुंगंददी इरोई अमसुड हामेग मयामसु लै।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	Ekhoigee khungangdadi iroi amasung haameng mayaamsu lei.	There are Goats and buffaloes also live in my village.
ঐথোয় যুমদা তেনব্রা অমা লৈরম্মী। নোংমা তেনবাদো পায়থ্রৈ। ঐদি য়াম্মা নুংঙাই।	ऐखोय युमदा तेनवा अमा लैरम्मी। नोडमा तेनवादो पाइख्रे। ऐदी याम नुडाई।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Ekhoi yumda tenawa ama leirammi nongama tenawado paikhrey. Eidi yaamna nungaai.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
তরানিপাল অমদি তরামাপনসুবা নুমিত খোংচত/জাত্রা	तरानिपाना अमदी तरामापन सुबा नुमित खोंगचत/जात्रा	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	Taranipan amadi tarampan suba numit Khongchat/ jatra	Eighteenth and Nineteenth day Travel
স্কুলগী ছুটি থাবা কান্দা নহাক কদাইদা কোইবা চতপা পাম্মী?	स्कूलगी सुत्ती थाबा मतमदा नहाक कदायदा कोइबा चतपा पाम्मी ?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	Schoolgee chutti thaaba kaanda, nahaak kadaida koiba chatpa paammi?	Where do like to visit during the holidays?



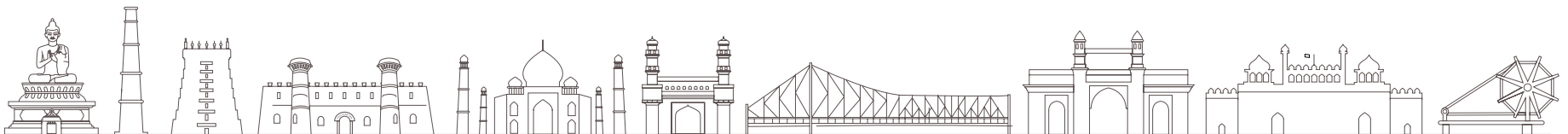
Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
এদি কালেন ছুটিদা চীঙ- মানদা কোয়বা পামজৈ।	ऐदी कालेन सुत्तीदा चीङ- मानदा कोयबा पामजै।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	Eidi kaalen suddida ching-manda koiba paamjei.	I like to visit Hill Stations during summer holidays.
इन्दकी छुट्टिसिदि कदायदा छङकदोत्री?	हंदक सुत्तिसिदि कदायदा चतकनी?	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	handak suddidasidi kadaida chatkadouree ?	Where are you planning to visit this vacation.
এদি ইন্দকী ছুটিদা সিক্কিম নত্রগা কাশ্মীর চঙকদৌরী।	ऐदी हंदककी सुत्तीदा सिक्कीम नत्रगा काशमीर चतकदौरी।	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाला हूँ।	Eidee handakki suddida sikkim natraga kasmir chatkadouri.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in this holidays.
এনা পামজবদি নিংথম থাগী ছুটিদা অন্ডমান নত্রগা গোবা চঙপনি।	ऐना पामजबदी निङथम थागी सुत्तीदा अंडमान नत्रगा गोवा चतपनी।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Eina paamjabadi ningtham thaagee suddida Andamaan natraga goa chatpani.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
ইহ! অন্ডামানদি সমুদ্রনা কোইসিনবা লমনী, মফমদুদা করম হায়না চঙকনী।	एह ! अंडमान दी समुद्रना कोइसिनबा लमनी मफमदुदा करम हायना चतकनी?	अरे ! अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	Eh! Andamandi samudrana koisinba lamni, Maphamduda karam haina chatkanee?	Oh !Andaman is in Ocean, how do people go there?



Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
মফম্দুদা এৰোপ্লেনে অমদি জহাজ অনিমকতা চতপা যাই?	मफमदुदा ऐरोपलेन अमदि जहाज अनिमकता चतपा याई।	वहाँ हवाई जहाज और पानी वाले जहाज दोनों से ही जा सकते हैं।	Maphamdua Jahaaj amadi Aeroplane animaktaa chatpa yaa.	One can go there by an aeroplane or by a ship.
কুনশুবা নুমিৎ পান্দম/মঙলান	कूनसुबा नुमिन पान्दम/ मंगलान	बीसवाँ दिन सपने/लक्ष्य	Kunsuba numit Paandam/ manglaan	Twentieth day Dream
নহাক লাইরিক তল্লাগা কৰি ওইবা পাম্মী?	नहाक लाइरिक तमलगा करि ओईबा पाम्मी?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते/चाहती हैं?	Nahaak lairik tamlaga kari oiba paammi?	What do you want to do after studies?
ঐ অইবা/অইবী অমা ওইবা পাম্মী।	ऐ अईबा/अईबी अमा ओइबा पाम्मी।	मैं लेखिका/लेखक बनना चाहती/चाहता हूँ।	Ei ayiba/ayibi ama oiba paammi.	I want to be a writer.
ঐহাক ঐখোই ইমুংগী সিন্ধাদা মতং পাংগনী।	ऐहाक ऐखाइ इमुङगी सिन्धादा मतेंग पांगगनी।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगा/करूंगी।	Eihaak eikhoi imungi sinthada mateng paangani.	I want to support our family business.
পন্বা যাবদা কৰি কৰম্বা সিন্থানো?	पनबा याबदा करि करम्बा सिन्थानो ?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	Panba yaabada kari karamba sinthano ?	Like what kind of business.



Manipuri	Manipuri Devanagri	Hindi	Manipuri Roman	English
लोड-शिंगु/दूकान फम्बा/ फिशा-लोनसागी सिन्था ।	लोऊ-शिंगऊ/ दूकानफम्बा/ फीसा-लोनसागी सिन्था।	खेती-बाड़ी/बागबानी/दूकान/ कपड़े का व्यवसाय।	louwoo-shingoo/ dukaan phamba/ Phisha-lonsagee sintha.	Farming/ gardeningshop/Cloth business.
ऐ राजनीति याउबा पामजै ।	ऐदी राजनीति याउबा पामजै।	मैं राजनीति में जाना चाहता/ चाहती हूँ।	Ei rajneeti yaoba paamjei.	I want to join politics.
ऐगी मंगलानदी एवरेस्ट कावनी ।	ऐगी मंगलानदी एवरेस्ट कावनी।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Eigee manglaandi Everest kaabni.	My dream is to climb the Mount Everest.
ऐदि सिफाई ओइबा पामजै ।	ऐदी सिफाई ओइबा पामजै।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	Eidi siphai oiba paamjei.	I want to become a soldier.



Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: jdciet.ncert@nic.in
Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016
E-Mail: del.ncert@gmail.com
Phone: 91-11-26565336



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016

Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159

Email: director.ncert@nic.in